केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ५ मार्च, २०१७ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था - सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी - सत्संग प्रारंभ

जनवरी, २०१७ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुणांक : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

	दिनांक	महिना	वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन	☐☐	☐☐	☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (८)	
	६ (६)	
	विभाग-१, कुल गुण (३६)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (६)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३०)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (४)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	
	विभाग-३, कुल गुण (३४)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है। उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी। **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी। पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी। **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें। **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है। **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है। अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है। **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र - पाँचवाँ संस्करण, जनवरी - २०१५

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''आज इतने उदास क्यों?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

२. ''आप लोग क्यों चिन्ता करते थे?''

३. ''ब्रह्म, जीव तथा जगत-तीनों सत्य हैं।''

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[४]**

१. वेणी ने घनश्याम से क्या पूछा?

.....

.....

२. हनुमानजी किस के पास से घनश्याम को छुडवाकर ले आए?

३. अन्नकूट की आरती के वक्त सब को घनश्याम कहाँ कहाँ दिखाई दिए?

४. भगवान पुरुषोत्तम नारायण के माता-पिता का नाम क्या था?

प्र. ३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : घनश्याम का गृहत्याग : उन्होंने रामप्रताप भैया को घेर लिया और उन्हें मारपीट करने लगे। खुश हुए रामप्रताप को इन लोगों के साथ उलझना अच्छा नहीं लगा।

उत्तर : घनश्याम का गृहत्याग : उन्होंने घनश्याम प्रभु को घेर लिया और उन्हें परेशान करने लगे। उदास हुए घनश्याम को इन लोगों के साथ उलझना अच्छा नहीं लगा।

१. **एकादशी की महिमा :** तुम्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि द्वारकापुरी में जब से पूनम को उलटा टाँग दिया गया, तबसे कोई पूनम का व्रत करता ही नहीं। अरे भूखे-प्यासे रहकर देह को कष्ट देने से क्या लाभ?

उ. .....

.....

२. **नाई को चमत्कार :** अभी आधा ही मुण्डन हुआ था कि इच्छाराम एकाएक खड़े हो गए। अन्य लोग तो इच्छाराम को भाभी की निकट बैठे देख रहे थे, परंतु मंछा बेचारा उन्हें देख ही नहीं पा रहा था।

३. **कालिदत्त मरण की शरण में :** उसने भयंकर क्रोध के साथ अपनी असुरीविद्या से भयंकर तुफान पैदा कर दिया। आंसूओ की बौछारें शुरू हो गई। चारों ओर घना उजाला छा गया।

४. **रामदयाल को दर्शन :** वे पलंग के पास जाकर इच्छाराम का दर्शन करने लगे। देखा तो इच्छाराम के पलंग से एक विशिष्ट प्रकार का प्रकाश-पुंज निकल रहा था, जिसके कारण धीरे-धीरे सारा महोल्ला दिव्य तेज़ से भर गया।

प्र. ४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए।
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) **[५]**

१. घनश्याम का यज्ञोपवीत संस्कार २. एक साथ अनेक मंदिरों में दर्शन

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. पुत्र की परीक्षा

(१) ☐ मेज। (२) ☐ धर्मग्रंथ।

(३) ☐ छोटी तलवार। (४) ☐ दो स्वर्णमुद्रा।

२. अभिमान का नाश

(१) ☐ बावा मृगाम्बर पर बैठा था। (२) ☐ इसकी कीमत तो तीन सो रुपये है।

(३) ☐ मृगाम्बर में से मृग प्रकट हो गया। (४) ☐ आप तो साक्षात् भगवान हैं!

३. चोर चिपक गए

(१) ☐ चीकू का बगीचा। (२) ☐ सीयाराम को खिलाएँगे।

(३) ☐ ब्राह्मणों के हाथ चिपक गए। (४) ☐ हे भगवान! हमारी रक्षा करें।

४. रामदत्त को आम चखाया

(१) ☐ बालमित्रों को लेकर स्नान के लिए नदी पर जा पहुँचे।

(२) ☐ इच्छाराम अपने गमछे में आम इकट्ठा करने लगे।

(३) ☐ संघ का मुखिया रामदत्त।

(४) ☐ घनश्याम ने रस्सी और लोटा उठा लिया।

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. दोंनो मौसियों ने घनश्याम से क्षमा माँगी।

.....

.....

.....

२. वैद्य अश्विनी कुमार ने घनश्याम की मरहम-पट्टी की।

३. भक्तिमाता दिग्मूढ़ हो गई।

विभाग - २ : योगीजी महाराज - तृतीय संस्करण, जनवरी - २०१४

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''हमारे प्रधानाध्यापक ने बेगुनाह चन्दू को बहुत मारा है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

२. ''हम लोग यह क्यों देखें?''

३. ''एक तो सत्शास्त्र के अध्ययन का व्यसन हमेशा रखना और दूसरी बात यह कि उत्तम साधु-सन्तों का संग करना।''

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[४]**

१. 'यज्ञपुरुष स्मृति' नामक ग्रंथ योगीजी महाराजने कब प्रकट करवाया?

.....

.....

२. योगीजी महाराज युवकों को कैसा जीवन जीने की प्रेरणा देते थे?

३. रोटियाँ बनाते समय योगीजी महाराज क्या क्या करते थे?

४. योगीजी महाराज को ऑपरेशन की आवश्यकता किस ने बताई?

प्र. ९ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। **[६]**

विषय : युवक मण्डल और सत्संग सभा

१. ऐसी सत्संग सभाओं में श्रीजीमहाराज, गुणातीतानन्द स्वामी एवं शास्त्रीजी महाराज अपने दिव्य रूप से बिराजमान होते हैं। **२.** आज्ञा के पालन में तुम्हारा कल्याण है, चतुराई और हिम्मत रखो। **३.** ऐसी किसी सभा में कभी भी अनुपस्थित नहीं रहना चाहिए। **४.** युवकों के द्वारा तैयार किए गए हस्तलिखित साहित्य को भी वह ध्यानपूर्वक सुनते थे। **५.** श्रीजीमहाराज की दया से बहुत से बच्चे आएँगे। **६.** पाक्षिक सत्संग सभा की प्रवृत्ति योगीजी महाराज ने बहुत समय पहले ही शुरू कर दी थी। **७.** छोटे-छोटे बच्चों को सत्संग का ज्ञान-लाभ मिले इस दृष्टि से जगह-जगह पर उन्होंने बाल मण्डल भी बड़ी संख्या में स्थापित किए। **८.** यदि पचास हज़ार रुपये मिल रहे हों, तो उसे भी छोड़कर युवक मण्डल, सत्संग मण्डल की सभा में जाना चाहिए। **९.** जिस गाँव या शहर में वे पधारते वहाँ सभी जगह युवक मण्डलों की स्थापना करते रहते। **१०.** सत्संग सभा में जाने से कई संतों के एक साथ दर्शन होते हैं। **११.** ऐसे हस्तलिखित अंक तो हर छः मास पर निकालते रहना चाहिए। **१२.** धीरे-धीरे युवक मण्डल की प्रवृत्ति भी बहुत जोरों से चलने लगी।

(१) केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

प्र.१० निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) **[५]**

१. पराभक्ति २. मैं तो सेवक हूँ

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. सद्‌गुरु कृष्णचरणदासजी ने झीणाभाई के मन की बात की।

.....

.....

.....

.....

२. कोई विद्यार्थी झीणाभाई को पीटने को कहते थे।

३. योगीजी महाराज ने शास्त्री नारायणस्वरूपदासजी के सर पर हाथ रखा।

विभाग – ३ किशोर सत्संग प्रारंभ – द्वितीय संस्करण, जनवरी – २०११

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[४]**

१. ध्यान का मतलब क्या है?

.....

.....

२. श्रीहरि के दर्शन होने पर जोधा ने क्या किया?

३. किस किस ने बचपन में ही भगवान की भक्ति की थी?

४. गढ़डा में श्रीहरि ने वजीबा को क्या कहा?

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. वजीबाई

(१) ☐ कोळी जाति के। (२) ☐ साधु के प्रति दुर्भाव नहीं रखना चाहिए।

(३) ☐ रामानंदजी से श्रीहरि के उपासक बने। (४) ☐ गांजा पीनेवाले की सेवा कभी नहीं करेंगे।

२. गुणातीतानन्द स्वामी।

(१) ☐ डभाण में दीक्षा। (२) ☐ गोंडल में जन्म।

(३) ☐ जूनागढ़ के महन्त। (४) ☐ योगेश्वरदासजी मुख्य शिष्य।

३. अखण्डानंद स्वामी

(१) ☐ सामने से शेर आया। (२) ☐ अपने काम के अनुसार ही उनके गुण थे।

(३) ☐ निर्भय होकर आगे बढ़े। (४) ☐ भगवान तो हमेशा अपने भक्त की चिन्ता रहा करती है।

४. आरती

(१) ☐ 'जय सद्‌गुरु स्वामी....' आरती की रचना की। (२) ☐ मोती की माला बनाई।

(३) ☐ मुक्तानन्द स्वामी ने आरती की रचना की। (४) ☐ पीपलाणा गाँव में ।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। **[४]**

१. खेत से आते समय पूजाभाई को ..... और ..... के दर्शन हुए।

२. सोढी गाँव की बीबी ने ..... के साथ आकर ..... को दातुन की छड़ी अर्पण की।

३. पानी हमेशा ..... से ही पीने की ..... डालनी चाहिए।

४. शूरवीर बालभक्त ..... जिले के एक गाँव के ..... का बालक था।

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए। **[८]**

१. आए अक्षरधाम से .....

..... सर्वावतारी हरि।

२. श्रीहरि जय जय ..... भवभयहारी।

३. हृदय भाव से ..... ब्रह्म और परब्रह्म।

४. हम तो हैं स्वामी के ..... मौत की परवाह।

प्र.१६ 'यदि कोई भगवान.... ' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।**

(पंद्रह पंक्तियाँ) **[५]**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१७ 'शास्त्रीजी महाराज ' – **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए।**

(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) **[५]**

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

* * *

☞ **अगत्य की सूचना :** सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित **website - link** पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx